चतुर खरगोश और भेड़िए

सुज़ाना डेविडसन

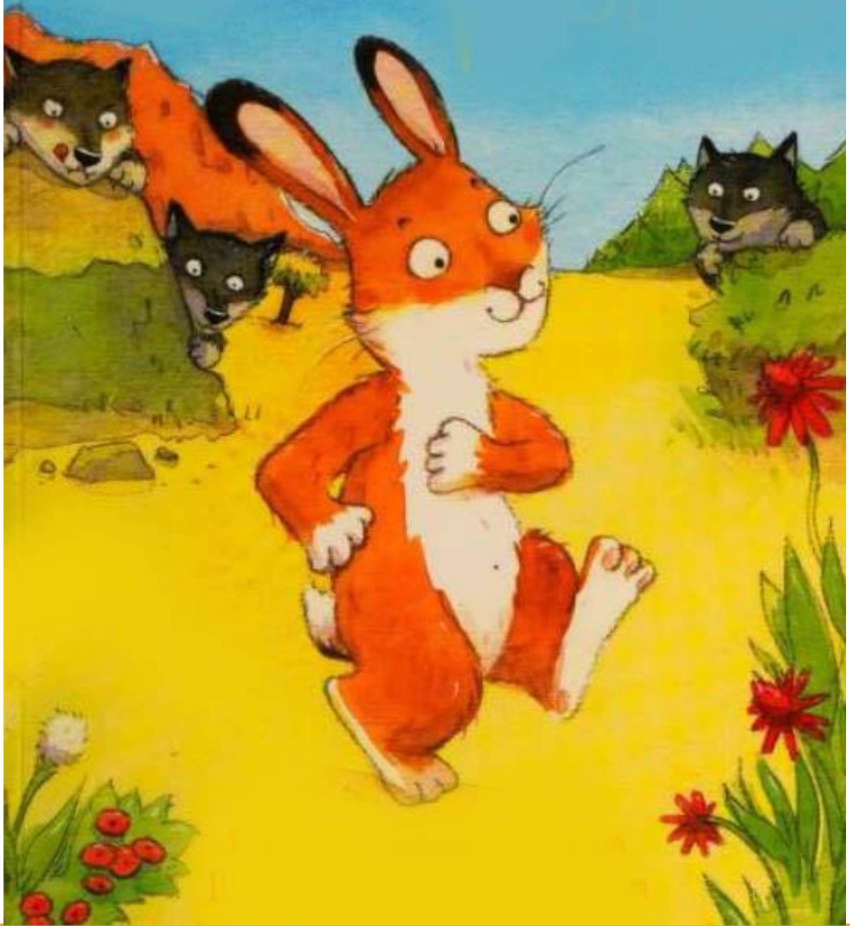

चतुर खरगोश और भेड़िए

सुज़ाना डेविडसन

चतुर खरगोश फँस गया था.

उसे भेड़ियों के एक
गिरोह ने घेर लिया था.

"बढ़िया! रात का खाना!"
बड़े भेड़िए ने कहा.

"ज़रा रुको!" चतुर खरगोश ने कहा.

"क्या तुम मेरा नाच नहीं देखोगे?"

"नहीं!" बड़े भेड़िए ने कहा.

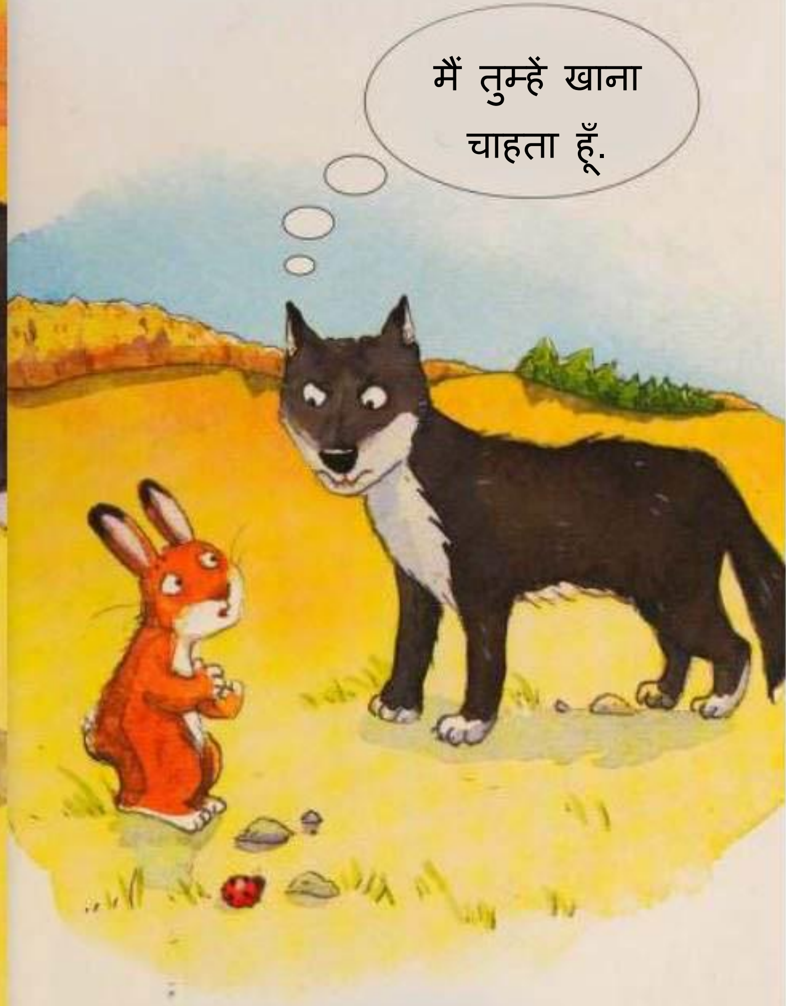

"लेकिन, मैं तुम्हारा नाच देखना चाहता हूं," छोटे भेड़िए ने कहा.

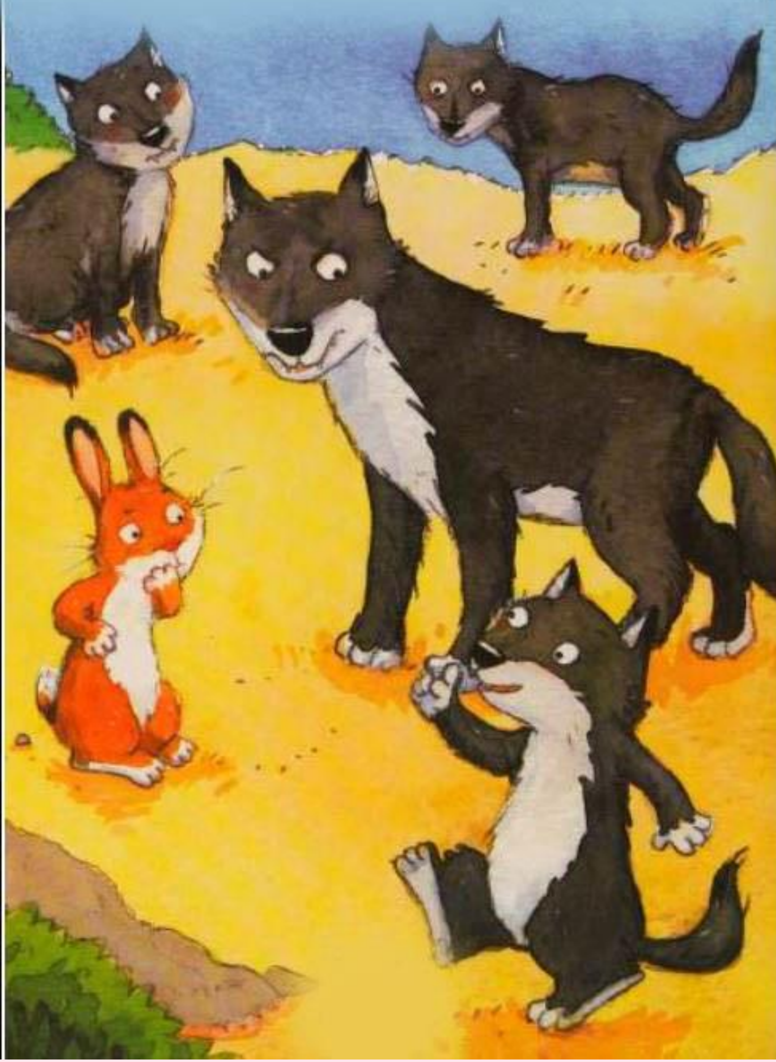

चतुर खरगोश ने अपना पैर थपथपाया.

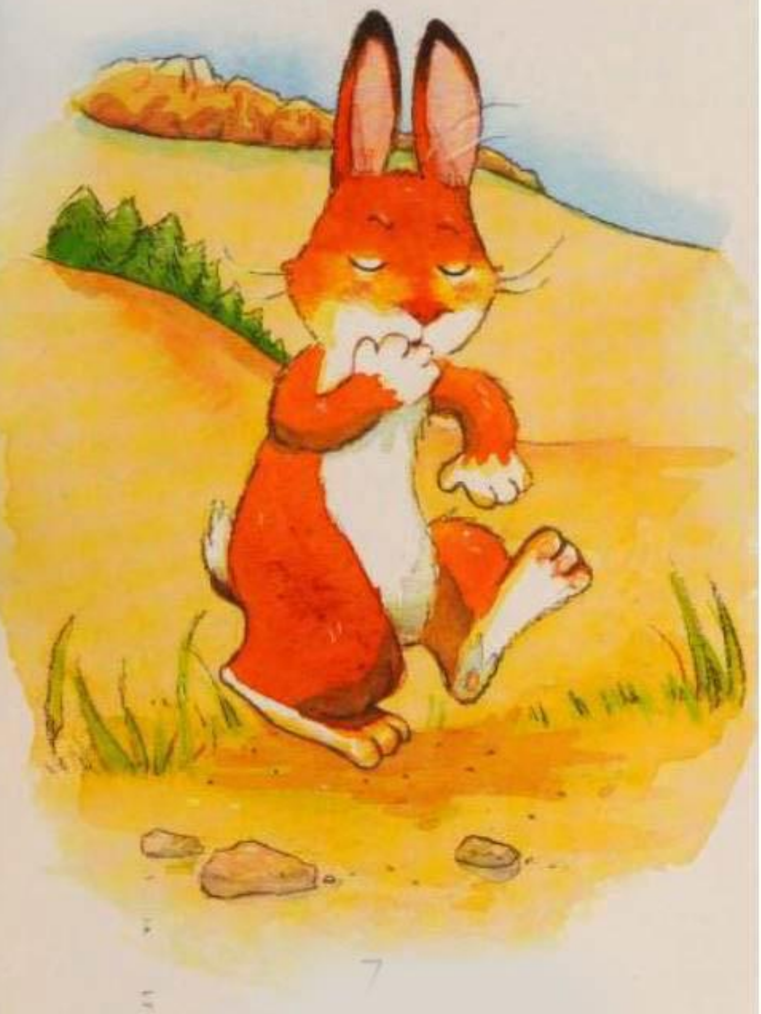

उसने गाया.

"ला शब्द पर अपना पैर ज़मीन पर पटको. मेरी नकल करो."

सारे भेड़िये ज़मीन पर
अपने-अपने पैर पटकने लगे.

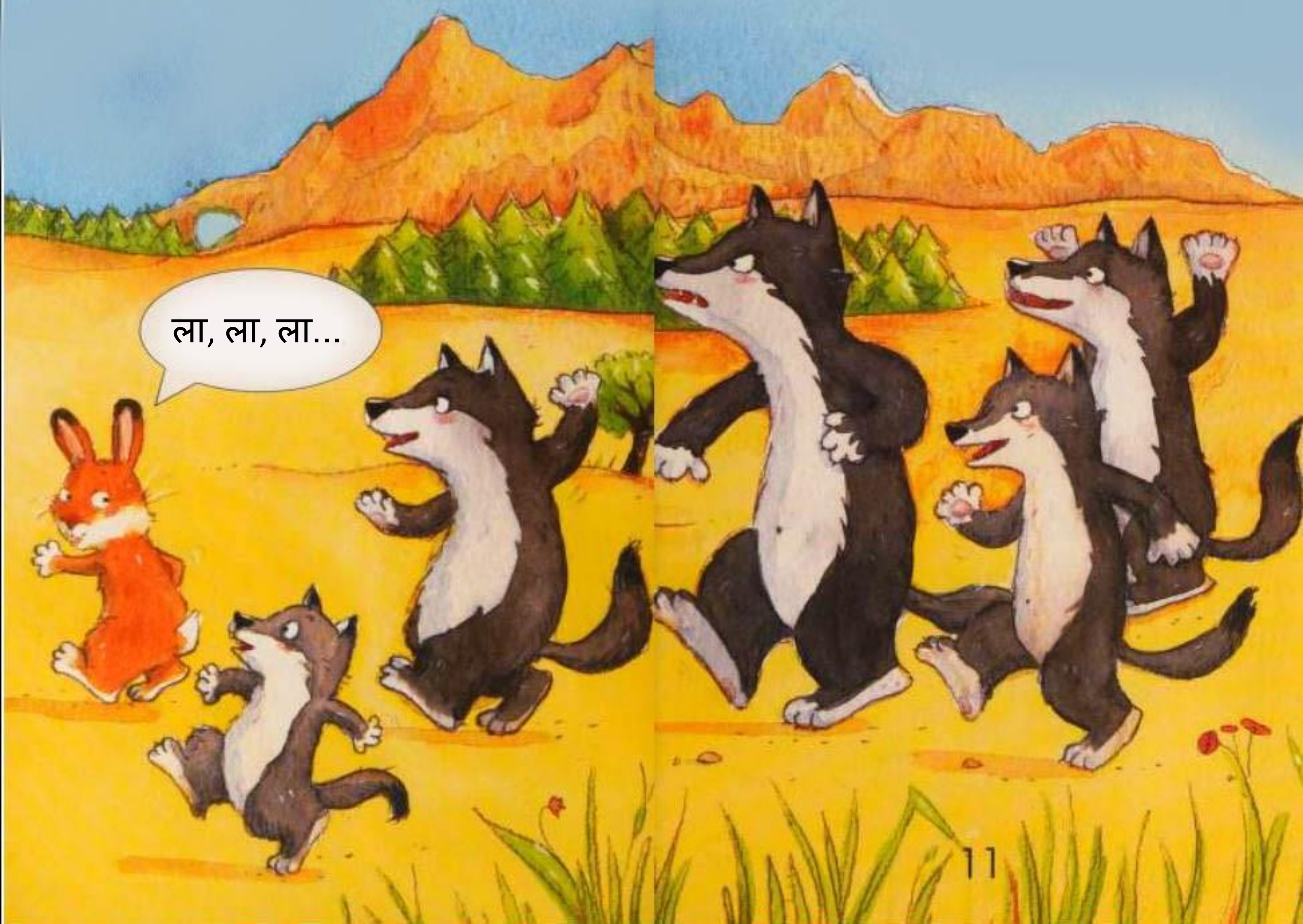

"यह बड़ा मजेदार खेल है," उन्होंने कहा.

"हमें और नाच दिखाओ!"

चतुर खरगोश ने गाया!

"टम शब्द पर गोल-गोल घूमो."

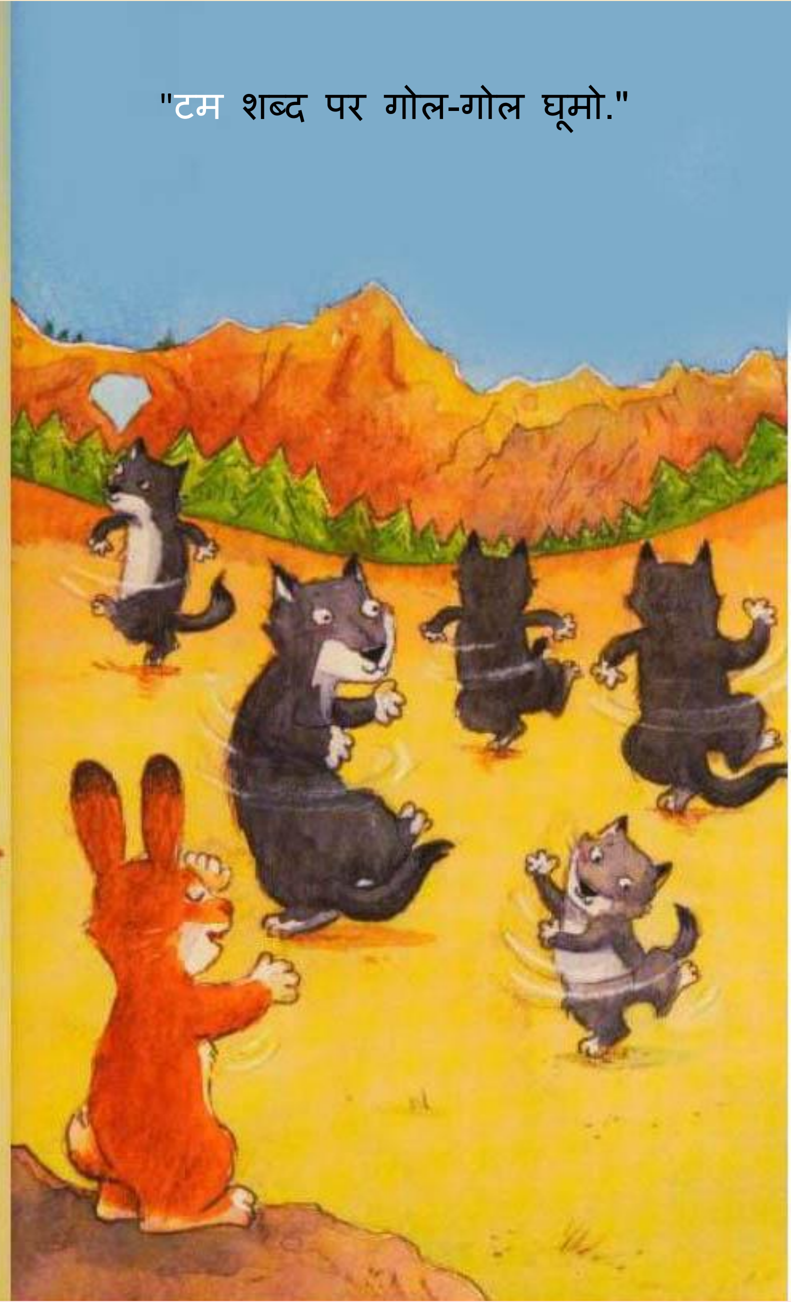

"यह काफी आसान है,"
बड़े भेड़िए ने कहा.

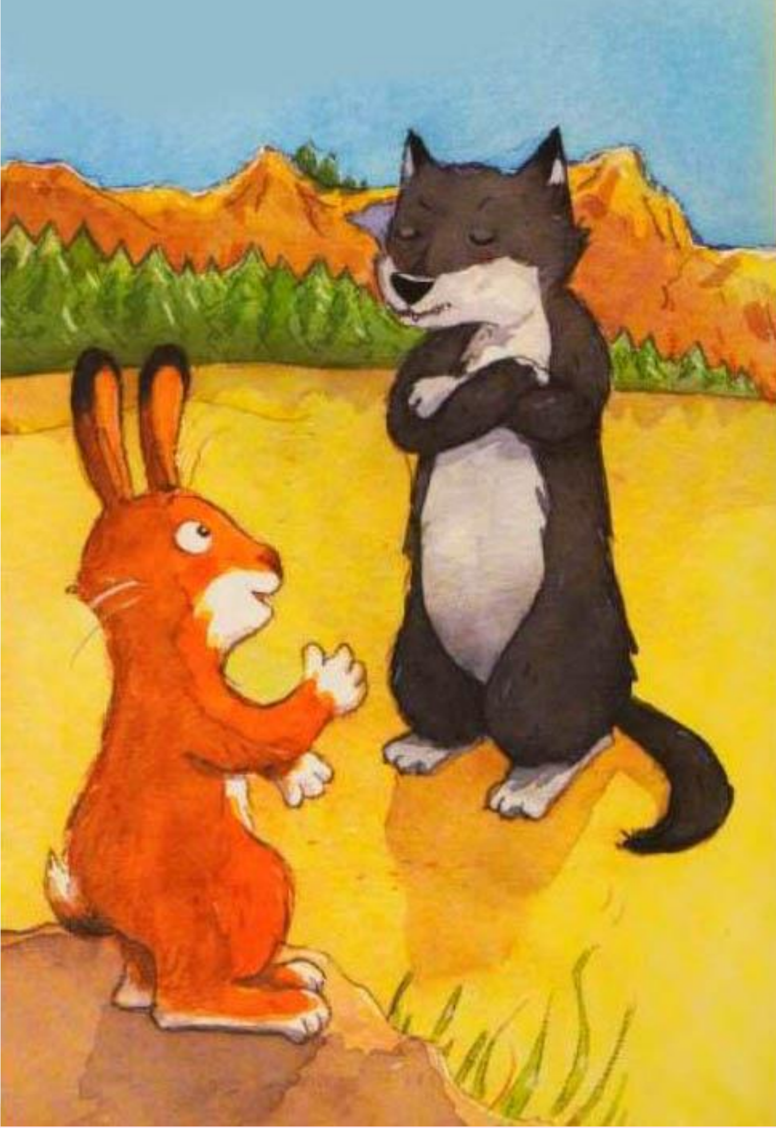

"सच में?" चतुर खरगोश ने कहा.

“अच्छा, ज़रा और तेजी से घूमो."

चतुर खरगोश ने गाया.

खरगोश ने गीत और तेजी से गाया.

भेड़ियों ने अपने पैर पटके.

सभी भेड़िए तेज़ी से
गोल-गोल घूमने लगे.

"मुझे चक्कर आ रहा है,"
छोटे भेड़िए ने कहा.

चतुर खरगोश नाचते-नाचते
लंबी घास में चला गया.

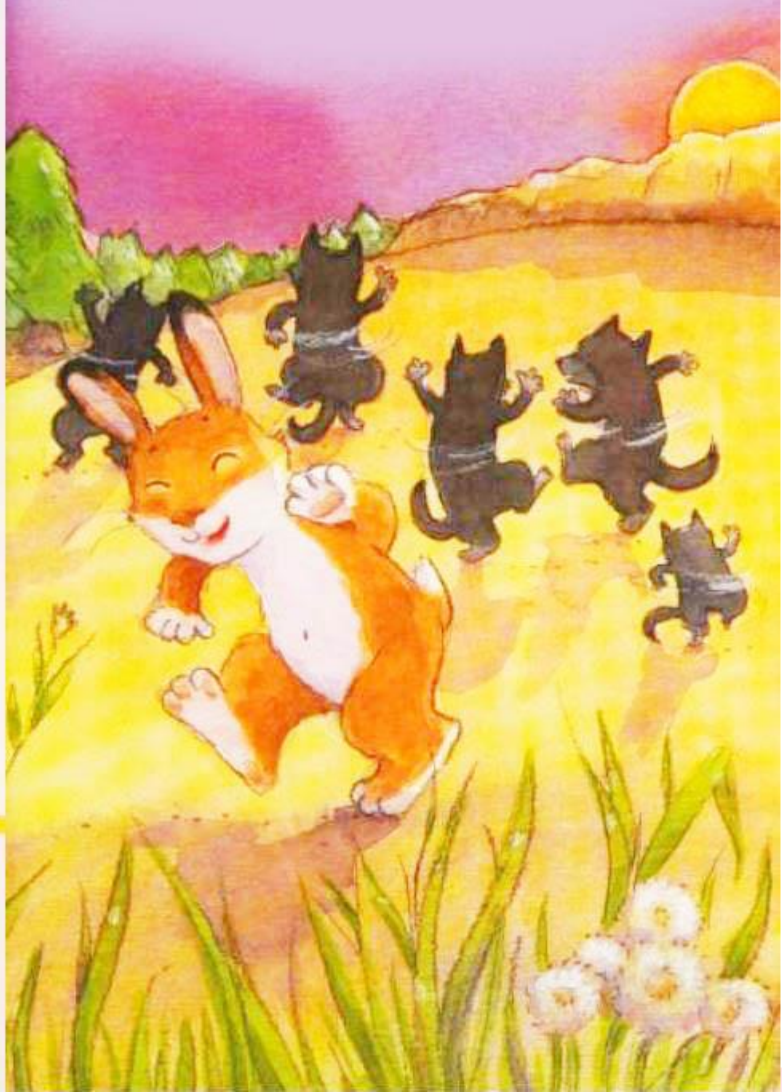

"नाचते रहो," खरगोश चिल्लाया.

एक-एक करके सभी भेड़िये
ज़मीन पर गिर पड़े.

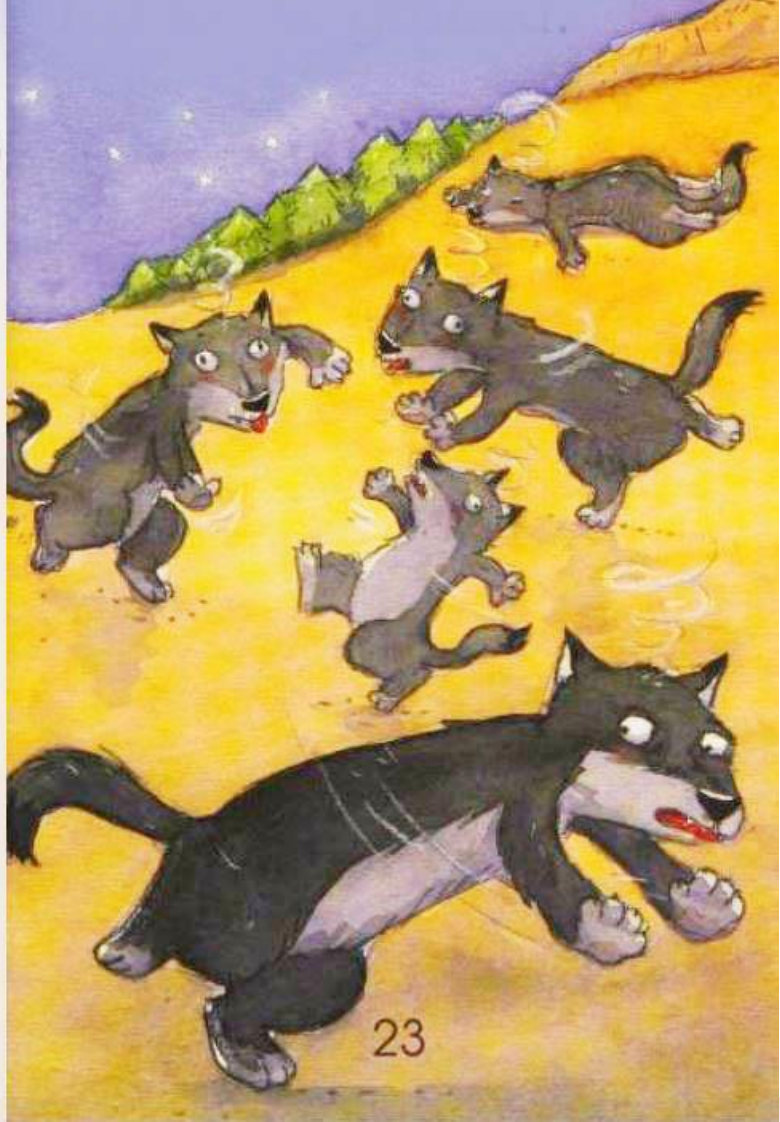

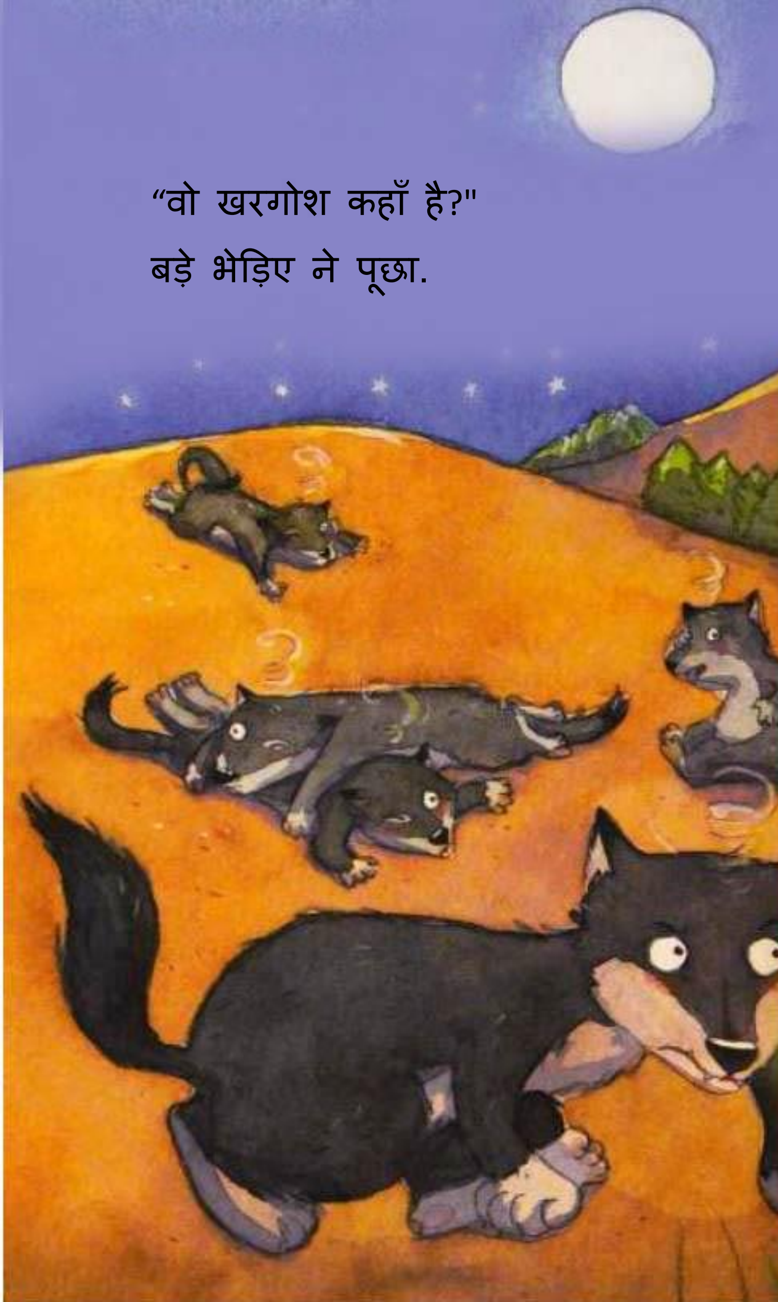

“वो खरगोश कहाँ है?"
बड़े भेड़िए ने पूछा.

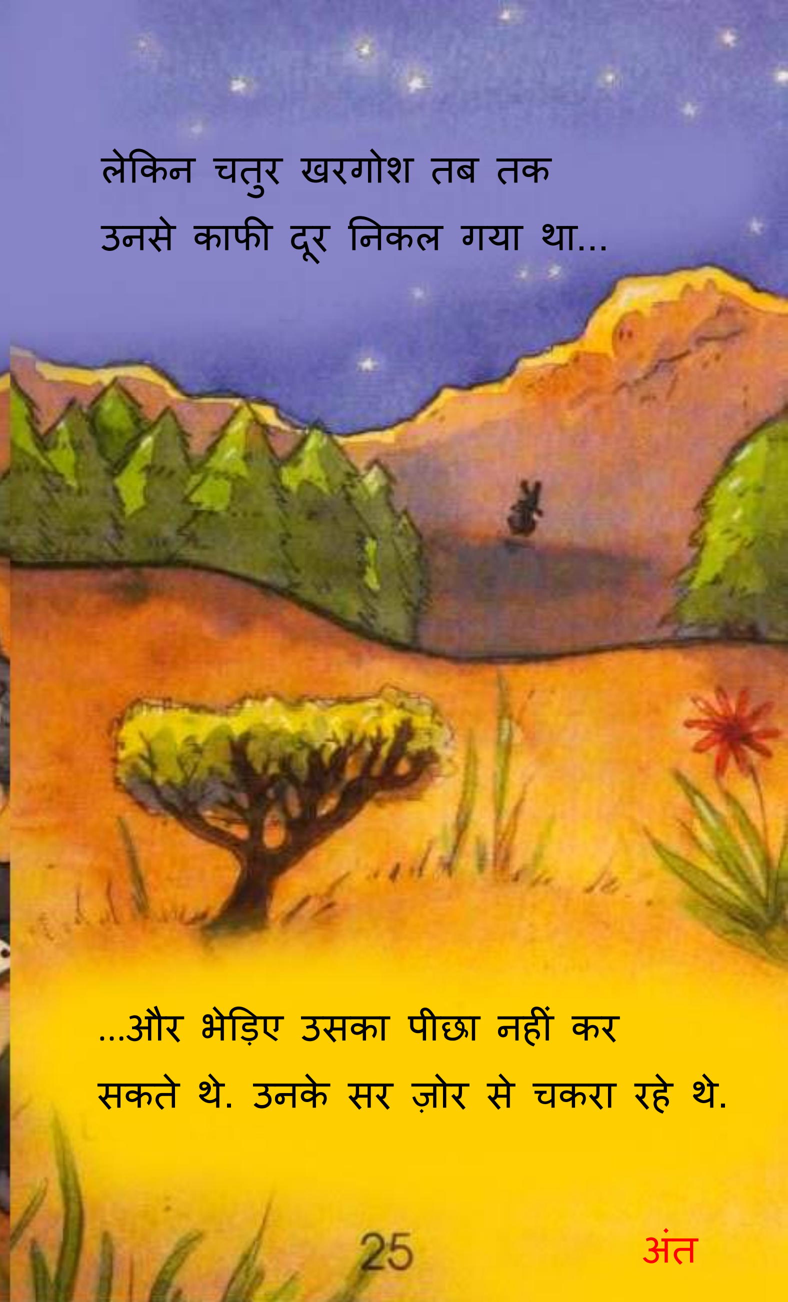

लेकिन चतुर खरगोश तब तक
उनसे काफी दूर निकल गया था...

...और भेड़िए उसका पीछा नहीं कर
सकते थे. उनके सर ज़ोर से चकरा रहे थे.

अंत